Chapter 4:

Business Services

Part 3

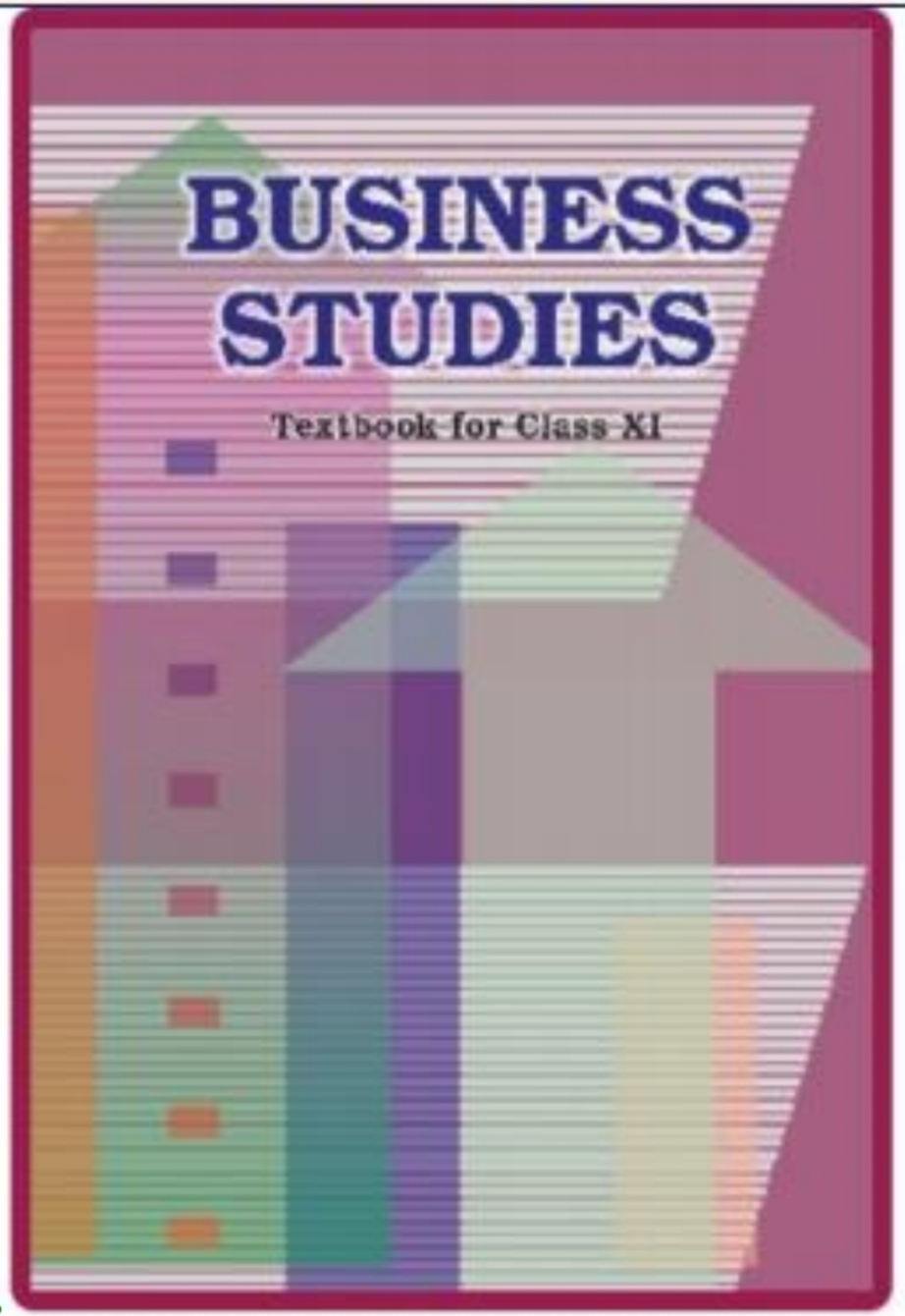

What is a benefit of public warehouses?

(a) Flexibility
(b) Control
(c) No Specialized Services
(d) None

सार्वजनिक गोदामों का क्या लाभ है?

(a) लचीलापन
(b) नियंत्रण
(c) कोई विशेष सेवाएँ नहीं
(d) कोई नहीं

Commerce with Sachin Sir - Telegram

CWC stands for _____.

(a) Central Water Commission
(b) Central Warehousing Commission
(c) Central Warehousing Corporation
(d) Central Water Corporation

सीडब्ल्यूसी का अर्थ है _____।

(a) केंद्रीय जल आयोग
(b) केंद्रीय भंडारण आयोग
(c) केंद्रीय भंडारण निगम
(d) केंद्रीय जल निगम

…….are licensed by the government to accept imported goods prior to payment of tax and customs duty.:

1. Bonded warehouses
2. Public warehouses
3. Cooperative warehouses
4. Private warehouses

…….सरकार द्वारा कर और सीमा शुल्क का भुगतान करने से पहले आयातित माल स्वीकार करने के लिए लाइसेंस प्राप्त हैं।:

1. बंधक गोदाम
2. सार्वजनिक गोदाम
3. सहकारी गोदाम
4. निजी गोदाम

The insured should not be allowed to make any profit, by selling the damaged property or in the case of lost property being recovered.

(a) Principle of Contribution
(b) Principle of Subrogation
(c) Principle of Insurable Interest
(d) All of the above

बीमित व्यक्ति को क्षतिग्रस्त संपत्ति को बेचकर या खोई हुई संपत्ति की वसूली की स्थिति में कोई लाभ कमाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

(a) अंशदान का सिदधांत
(b) प्रत्यायोजन का सिदधांत
(c) बीमायोग्य हित का सिद्धांत
(d) उपरोक्त सभी

- **Subrogation** is a common process in the insurance sector involving three parties; the insurance company, policyholder, and a third-party responsible for the damages. The process starts when the policyholder claims for the damage cost incurred in an accident that happened due to third-party.
- बीमा क्षेत्र में सब्रोगेशन एक सामान्य प्रक्रिया है जिसमें तीन पक्ष शामिल होते हैं: बीमा कंपनी, पॉलिसीधारक और नुकसान के लिए ज़िम्मेदार एक तृतीय पक्ष। यह प्रक्रिया तब शुरू होती है जब पॉलिसीधारक किसी तृतीय पक्ष के कारण हुई दुर्घटना में हुए नुकसान की लागत का दावा करता है।

NCERT.NIC.IN

- After settling the claim with the insured, the insurance company may initiate the process of retrieving the claim amount. Before starting the recovering process, the insurer asks for the legal rights to sue the faulty individual. The insured offers all the legal rights to the insurer to pursue the third-party on behalf of him/her.
- बीमाधारक के साथ दावे का निपटारा करने के बाद, बीमा कंपनी दावे की राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। वसूली की प्रक्रिया शुरू करने से पहले, बीमाकर्ता दोषी व्यक्ति पर मुकदमा चलाने के कानूनी अधिकारों की माँग करता है। बीमाधारक अपनी ओर से तीसरे पक्ष पर मुकदमा चलाने के लिए बीमाकर्ता को सभी कानूनी अधिकार प्रदान करता है।

In case there is a loss, when there is more than one policy on the same property, the insured will have no right to recover more than the full amount of his actual loss. Which Principle applies here :

(a) Principle of Contribution
(b) Principle of Subrogation
(c) Principle of Insurable Interest
(d) All of the above

यदि किसी संपत्ति पर एक से अधिक पॉलिसी हैं और नुकसान होता है, तो बीमित व्यक्ति को अपने वास्तविक नुकसान की पूरी राशि से अधिक की वसूली का कोई अधिकार नहीं होगा। यहाँ कौन सा सिद्धांत लागू होता है:

(a) अंशदान का सिद्धांत
(b) प्रत्यायोजन का सिद्धांत
(c) बीमायोग्य हित का सिद्धांत
(d) उपरोक्त सभी

Contribution/अंशदान

- As per this principle it is the right of an insurer who has paid claim under an insurance, to call upon other liable insurers to contribute for the loss of payment. It implies, that in case of double insurance, the insurers are to share the losses in proportion to the amount assured by each of them.
- इस सिदधांत के अनुसार, बीमा के अंतर्गत दावा भुगतान करने वाले बीमाकर्ता का यह अधिकार है कि वह अन्य उत्तरदायी बीमाकर्ताओं से भुगतान की हानि की भरपाई के लिए अंशदान मांगे। इसका तात्पर्य यह है कि दोहरे बीमा की स्थिति में, बीमाकर्ताओं को प्रत्येक द्वारा बीमित राशि के अनुपात मे हानि को साझा करना होगा।

Contribution/अंशदान

- In case there is a loss, when there is more than one policy on the same property, the insured will have no right to recover more than the full amount of his actual loss. If the full amount is recovered from one insurer the right to obtain further payment from the other insurer will cease
- यदि किसी संपत्ति पर एक से ज्यादा पॉलिसी हैं और नुकसान होता है, तो बीमित व्यक्ति को अपने वास्तविक नुकसान की पूरी राशि से ज्यादा की वसूली का कोई अधिकार नहीं होगा। अगर एक बीमाकर्ता से पूरी राशि वसूल हो जाती है, तो दूसरी बीमाकर्ता से आगे भुगतान प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो जाएगा।

Food Corporation of India is an example of:

1. Bonded warehouses
2. Public warehouses
3. Cooperative warehouses
4. Private warehouses

भारतीय खाद्य निगम इसका एक उदाहरण है:

1. बंधक गोदाम
2. सार्वजनिक गोदाम
3. सहकारी गोदाम
4. निजी गोदाम

In the new digital market place banks and financial institutions have started providing services over the Internet. This type of service is provided by the banks on the Internet, lowers the transaction cost, adds value to the banking relationship and empowers customers. Name the service provided by the banks.

(a) Electronic fund transfer
(b) Automatic teller machine
(c) Credit card

1. a and b
2. b and c
3. a and c
4. a, b and c

नए डिजिटल बाज़ार में बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने इंटरनेट के ज़रिए सेवाएँ प्रदान करना शुरू कर दिया है। बैंकों दवारा इंटरनेट पर प्रदान की जाने वाली इस प्रकार की सेवा, लेन-देन की लागत कम करती है, बैंकिंग संबंधों को मूल्यवान बनाती है और ग्राहकों को सशक्त बनाती है। बैंकों दवारा प्रदान की जाने वाली सेवा का नाम बताइए।

(a) इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर
(b) स्वचालित टेलर मशीन
(c) क्रेडिट कार्ड

a और b
b और c
a और c
a, b और c

A person gets his stock of Rs.25,000 insured for Rs.35,000. A fire occurs and the whole stock gets damaged. The insurance company will pay him only Rs.25,000, the actual value of his stock and not Rs.35,000. Which principle of insurance is applied in this case?

(a) Principle of Contribution
(b) Principle of Subrogation
(c) Principle of Indemnity
(d) Principle of Insurable Interest

एक व्यक्ति अपने 25,000 रुपये के स्टॉक का 35,000 रुपये में बीमा करवाता है। आग लग जाती है और पूरा स्टॉक क्षतिग्रस्त हो जाता है। बीमा कंपनी उसे केवल 25,000 रुपये, उसके स्टॉक का वास्तविक मूल्य, 35,000 रुपये नहीं, देगी। इस मामले में बीमा का कौन सा सिद्धांत लागू होता है?

(a) अंशदान का सिद्धांत
(b) प्रत्यायोजन का सिद्धांत
(c) क्षतिपूर्ति का सिद्धांत
(d) बीमायोग्य हित का सिद्धांत

A plant manager gets his stock of goods insured but he hides the fact that the electricity board has issued him a statutory warning letter to get his factory wiring changed. Later on, the factory catches fire due to a short circuit. Which principle is violated in the case?

(a) Principle of Subrogation
(b) Principle of Utmost Good Faith
(c) Principle of Indemnity
(d) Principle of Insurable Interest

एक प्लांट मैनेजर अपने माल के स्टॉक का बीमा करवाता है, लेकिन यह तथ्य छिपाता है कि बिजली बोर्ड ने उसे अपने कारखाने की वायरिंग बदलवाने के लिए एक वैधानिक चेतावनी पत्र जारी किया है। बाद में, शॉर्ट सर्किट के कारण कारखाने में आग लग जाती है। इस मामले में किस सिद्धांत का उल्लंघन हुआ है?

(a) प्रत्यायोजन का सिद्धांत
(b) परम सद्भावना का सिद्धांत
(c) क्षतिपूर्ति का सिद्धांत
(d) बीमायोग्य हित का सिद्धांत

Which principle states that it is the duty of the insured to take reasonable steps to minimise the loss or damage to the insured property?

(a) Principle of Subrogation
(b) Principle of Utmost Good Faith
(c) Principle of Indemnity
(d) Principle of Mitigation

कौन सा सिद्धांत यह बताता है कि बीमित व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह बीमित संपत्ति को होने वाले नुकसान या क्षति को कम करने के लिए उचित कदम उठाए?

(a) प्रत्यायोजन का सिद्धांत
(b) परम सद्भावना का सिद्धांत
(c) क्षतिपूर्ति का सिद्धांत
(d) न्यूनीकरण का सिद्धांत

Mitigation/अल्पीकरण:

- This principle states that it is the duty of the insured to take reasonable steps to minimise the loss or damage to the insured property. Suppose goods kept in a store house catch fire then the owner of the goods should try to recover the goods and save them from fire to minimise the loss or damage.
- यह सिद्धांत कहता है कि बीमित व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह बीमित संपत्ति को होने वाले नकसान या क्षति को न्यनतम करने के लिए उचित कदम उठाए। मानें लीजिए कि किसी गोदोम में रखे सामान में आग लग जाती है, तो सामान के मालिक को नुकसान या क्षति को न्यूनतम करने के लिए सामान को आग से बचाने का प्रयास करना चाहिए।

Mitigation/अल्पीकरण:

- The insured must behave with great prudence and not be careless just because there is an insurance cover. If reasonable care is not taken like any prudent person then the claim from the insurance company may be lost.
- बीमाधारक को बहुत ही सावधानी से काम लेना चाहिए और सिर्फ़ बीमा कवर होने के कारण लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। अगर किसी विवेकशील व्यक्ति की तरह उचित सावधानी नहीं बरती गई, तो बीमा कंपनी से मिलने वाला दावा रद्द हो सकता है।

बीमित

Principle of Subrogation

After the insured is compensated for the loss or damage to the property insured by him/her the right of ownership of such property passes/remain on to ….

1. Insurer
2. Insured
3. Third Party
4. Not transferred

बीमित व्यक्ति को उसके दवारा बीमित संपत्ति के नुकसान या क्षति के लिए मुआवजा दिए जाने के बाद, ऐसी संपत्ति का स्वामित्व अधिकार …. को हस्तांतरित/रहता है।

1. बीमाकर्ता
2. बीमित
3. तृतीय पक्ष
4. हस्तांतरित नहीं

What is not a benefit of private warehouses?

(a) Flexibility
(b) Control
(c) improved dealer relations
(d) None of the above

निजी गोदामों का क्या लाभ नहीं है?

(a) लचीलापन
(b) नियंत्रण
(c) बेहतर डीलर संबंध
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Private warehouses:

Private warehouses are operated, owned or leased by a company handling their own goods, such as retail chain stores or multi-brand multi-product companies.

The benefit of private warehousing includes control, flexibility, and other benefits like improved dealer relations.

निजी गोदामों

निजी गोदामों का संचालन, स्वामित्व या पट्टे पर ली गई कंपनियों दवारा किया जाता है जो अपना माल खुद संभालती हैं, जैसे कि खुदरा श्रृंखला स्टोर या बहु-ब्रांड बहु-उत्पाद कंपनियाँ।

निजी गोदाम के लाभों में नियंत्रण, लचीलापन और बेहतर डीलर संबंध जैसे अन्य लाभ शामिल हैं।